iv) पहाड़ क्षेत्र – आंतरिक हिमालय के 90 Km उत्तर में तथा प्रमुख हिमालय पर्वत के मध्य स्थित मध्य भूमि 60-100 Km चौड़ी और 600-2000 मी. ऊँचाई वाली घाटियों का मिश्रित धरातल है। इसे पहाड़ क्षेत्र कहते हैं। यहाँ नदियों द्वारा Mass Wasting से धरातल बहुत नीचा और सुगम बन गया है। दक्षिणी भागों में पूर्व-पश्चिम विस्तृत घाटियाँ प्रमुख हैं जबकि उत्तरी भाग में छोटी-छोटी घाटियाँ और हिमालय से निकली श्रेणियाँ मिल गई हैं।

v) महान हिमालय क्षेत्र :– उत्तरी हिमालयन श्रेणियाँ कई भागों में बँटी हैं, जिनके बीच से होकर नदियाँ बहती हैं। उत्तर की अपेक्षा दक्षिणी ढाल बहुत खड़ा है। खड़े ढालों के कारण हिमानियाँ नहीं बन पाती और हिमरेखा 5000-6000 मी. पर मिलती है। नेपाल में विश्व के 10 उच्चतम शिखरों में से 8 अवस्थित हैं। इन शिखरों में ग्रेनाइट और चूना पत्थरों की चट्टाने पायी जाती हैं। एवरेस्ट (8848 मी.) कंचनजंघा (8585 मी.) व धौलागिरी (8507 मी.) प्रमुख ऊँची चोटियाँ हैं।

पश्चिमी नेपाल में प्रमुख हिमालय के 30-35 Km पर स्थित पर्वत नेपाल और तिब्बत की सीमा निर्धारित करते हैं। ये 6000-7000 मी. ऊँचे हैं लेकिन हिमालय से कम बर्फ है।

जलवायु

पर्वतीय प्रदेश होने के कारण यहाँ तापमान सदैव कम रहता है। नवम्बर से जनवरी तक मौसम शुष्क रहता है। तापमान परिसर मध्यम पाया जाता है। नेपाल की राजधानी काठमांडू का जनवरी में तापमान 10°C तथा जुलाई में 24.3° सेल्सियस पाया जाता है। वर्षा मुख्य रूप से मई से सितम्बर के मध्य होती है। 5000 मीटर से अधिक ऊँचाई पर बर्फ जमी रहती है। मार्च-अप्रैल माह में तेज हवाएं चलती है। नवम्बर से अप्रैल तक शीत ऋतु की अवधि है। दिसम्बर और जनवरी में तापमान हिमांक से नीचे चला जाता है। सभी जगह बर्फ जमी रहती है।
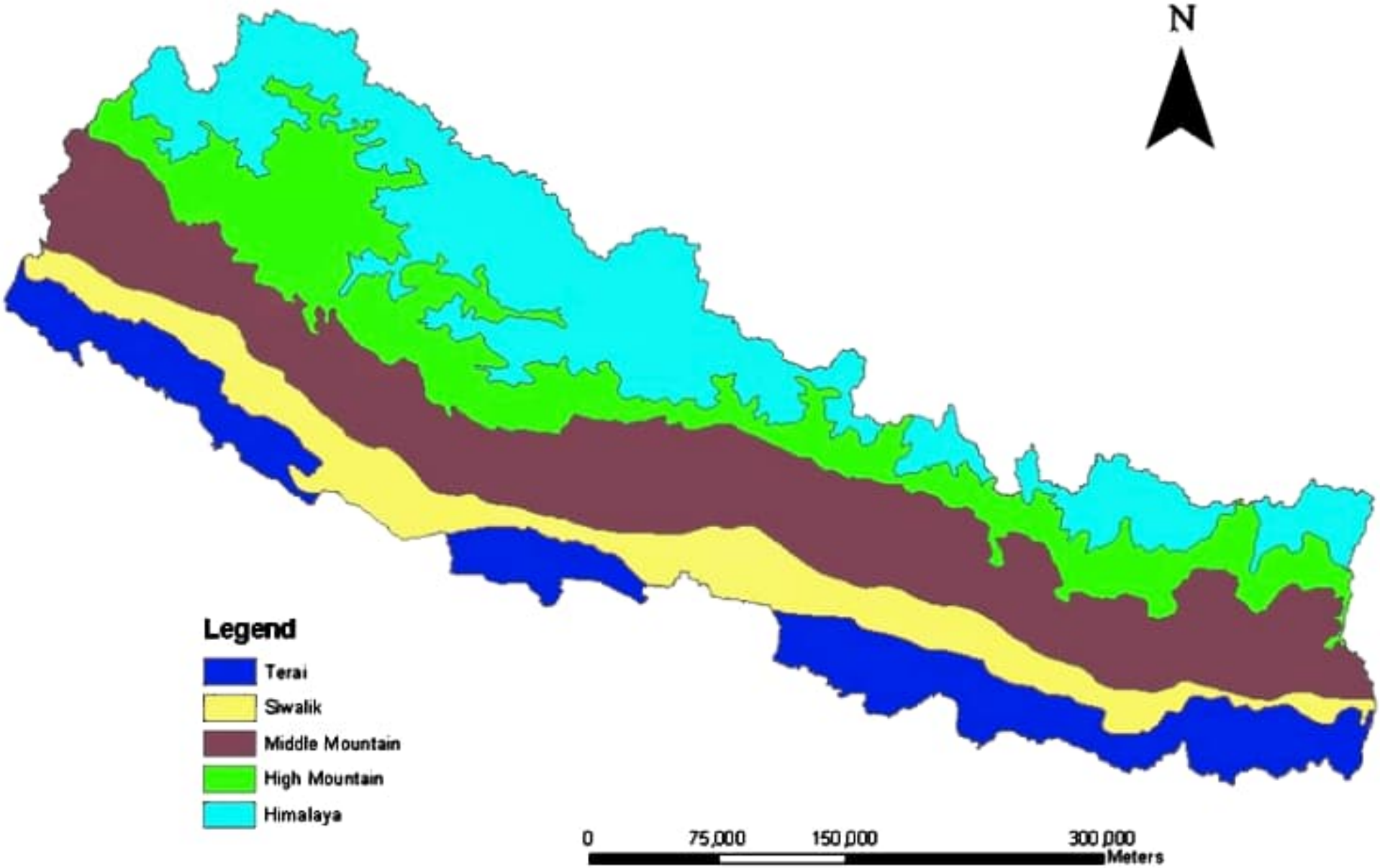
Physiographic Regions of Nepal